सं शो वि । एफ बी | 171-86 | 41832 चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं व नैशनल एयर प्रोडक्टस, 13 | 1, मयुरा रोड, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री मुख नारायण सिंह, पुत्र श्री गाया सिंह, मार्फत श्री श्याम सुन्दर गुप्ता, 50, निलम चौक, फरीदा-बाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है:

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायिनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपवारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त श्रधिनियम की धारा 7 क के श्रधीन गठित श्रौद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिदिष्ट मामलां जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:--

> क्या श्री मुख नारायण सिंह की सेवासमाप्त की गई है या उसने स्वयं त्यागपत्र देकर नोकरी छोड़ी है ? इस बिन्दु के फलस्वरूप वह किस राहत का हकदार है ?

सं श्रो वि । एक बी । 137-86 | 41839 . चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं । एक्सल इन्टरप्राईजिय, 22-बी, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया, फरीदाबाद के श्रीमक श्री बी डी. शर्मा, पुत्र श्री राजकरण शर्मा, मकान नं । 1432, जबाहर कालोनी, नजदीक शिव मन्दिर, फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक , विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद श्रिव्धितियम, 1947, की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करतें हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिव्धित्यम की धारा 7क के ग्रिव्धीन गठित श्रीद्योगिक ग्रिक्टिण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रिमिकों के बीच यां तो विवादग्रस्त मामला है प्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

क्या श्री बी. डी. शर्मा की <mark>सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ?</mark> यदि नहीं, तो वह किस राहत का हुकदार है ?

सं आे वि । एफ बी । 87-86/41846. -- चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं सोवरीन निट वर्कस, 20/4, मधुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री जयपाल, पुत्र श्री चांदी राम, गांव व डा । तिलपात, तह वि बल्लबगढ़, जि । फरीदाबाद तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है;

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं।

इस लिये, श्रव, श्रीद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7क के ग्रधीन गठित ग्रीद्योगिक ग्रधिकरण, हरियाणा, फरोदाबाद को नीचे विनिद्धित मामला जो कि उक्त प्रवत्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्वन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाद तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते है:—

क्या श्री जयंपाल की सेवाम्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं भो वि । एफ ब्ही । 88-86 41853 — चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं । दी पलबल कोपरेटिव शुगर मिल, पलबल, के श्रमिक श्री महावीर सिंह, पुत्र श्री अन्ततराम, गांव मीरपुर कुराली, डां गुलाबद, जि फरीदाबाद तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई श्रीद्योगिक विवाद है :

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निदिष्ट करना वाछनीय संमझते हैं ;

इसलिए, श्रब, श्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की घारा 7क के ग्रिधीन गठित श्रौद्योगिक श्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामला जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है श्रयवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला है न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

वया श्री महावीर सिंह की सेवाझों का समापन स्यायोचित तथा ठीक है ? ग्रदि नहीं, तो वह किस राहत का हुकदार है ?